



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21] नई दिल्ली, शनिवार, मई 23, 1998/ज्येष्ठ 2, 1920
No. 21] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 23, 1998/JYAISTHA 2, 1920

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अंतर्गत बनाए गए और जारी किए गए साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)
General Statutory Rules (Including Orders, Bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि और न्याय मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)
(न्यायिक अनुभाग)

नई दिल्ली, 12 मई, 1998

सांका०नि०97 :—मिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का ड) की प्रथम अनुसूची के आदेश सं० XXVII के नियम 8-ख के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची के स्तम्भ (2) में उल्लिखित अधिकारी को स्तम्भ (i) में उल्लिखित न्यायालय के लिए सरकारी अधिवक्ता नियुक्त करती है :

अनुसूची

न्यायालय	अधिकारी
(1)	(2)
1. बम्बई उच्च न्यायालय	श्री एस० एस० सरकार
मूल और अपील पक्ष	केन्द्रीय सरकारी अधिवक्ता

[फा० सं० 23(2)/98-न्यायिक]
यू० के० झा, अपर विधि सलाहकार

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

New Delhi, the 12th May, 1998

G.S.R. 97.—In exercise of the powers conferred by Clause (a) of Rule 8-B of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby appoints the Officer specified in the column (2), of the Schedule annexed hereto as Government Pleader for the Court mentioned in Column (1) of the said Schedule.

SCHEDULE

COURT	OFFICER
(1)	(2)
1. High Court of Bombay Original and Appellate Sides.	1. Shri S. S. Sarkar Central Government Advocate.

[F. No. 23(2)/98-Judl.]

U. K. JHA, Addl. Legal Adviser

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1998

सा. का. नि. 98 :—केन्द्रीय सरकार, सीमा सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 (1968 का 47) की धारा 141 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सीमा सुरक्षा बल (अधिकारियों की ज्येष्ठता, प्रोन्नति और अधिवर्षिता) नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमा सुरक्षा बल (अधिकारियों की ज्येष्ठता, प्रोन्नति और अधिवर्षिता) संशोधन नियम, 1998 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. सीमा सुरक्षा बल (अधिकारियों की ज्येष्ठता, प्रोन्नति और अधिवर्षिता) नियम, 1978 के नियम 7 में, उपनियम (1) के खंड (ग) में, मद (iv) के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(5) अपर सचिव/संयुक्त सचिव (प्रशा.)
(राजस्व विभाग)
विन मंत्रालय -- सदस्य”

[(सं. 17/6/98-कामिक/बीएसएफ/कामिक-III)]

जे.बी. काउशिश, डैस्क ऑफिसर

पाद टिप्पण :—मूल नियम भारत के राजपत्र में सांकांति 1462 दिनांक 9 दिसम्बर, 1978 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और बाद में (i) सांकांति 416 दिनांक 31 मई, 1989, (ii) सांकांति 319 दिनांक 2 जून, 1994; (iii) सांकांति 268 दिनांक 6 जुलाई, 1996; (iv) सांकांति 347 दिनांक 24 अगस्त, 1996 द्वारा संशोधित किए गए।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 30th April, 1998

G.S.R. 98.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 141 of the Border Security Force Act, 1968 (47 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Border Security Force (Seniority, Promotion and Superannuation of Officers) Rules, 1978, namely :—

1. (1) These rules may be called the Border Security Force (Seniority, Promotion and Superannuation of Officers) Amendment Rules, 1998.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Border Security Force (Seniority Promotion and Superannuation of Officers) Rules, 1978, in rule 7 in sub-rule (1), in clause (c), after item (iv), the following item shall be inserted, namely :—

“(v) Additional Secretary/Joint Secretary
(Admn), (Department of Revenue),
Ministry of Finance Member.”

[F. No 17/6/98-Pers/BSF/Pers.III]

J. B. KAUSHISH, Desk Officer

Foot Note.—The principal rules were published in the Gazette of India vide number GSR 1462 dated the 9th December, 1978 and subsequently amended vide number (i) GSR 416 dated the 31st May, 1989, (ii) GSR 319 dated the 2nd June, 1994, (iii) GSR 268 dated the 6th July, 1996, (iv) GSR 347 dated the 24th August, 1996.

नई दिल्ली, 14 मई, 1998

सा.का.नि. 99.—केन्द्रीय सरकार, आयुध अधिनियम, 1959 (1959 का 54) की धारा 44 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयुध नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयुध (संशोधन) नियम, 1998 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आयुध नियम, 1962 में, अनुसूची 3 में,—

(1) प्ररूप 3, के स्तंभ 6 में, “पिता का नाम” शब्दों के स्थान पर “माता या पिता का नाम” शब्द रखे जायेंगे,

(2) प्ररूप 3क, के स्तंभ 4 में, “अनुज्ञप्तिधारी के पिता का नाम और पता” शब्दों के स्थान पर “अनुज्ञप्तिधारी के माता या पिता का नाम और पता” शब्द रखे जायेंगे।

(3) प्ररूप 7, स्तंभ 5 में, “प्रतिधारक के पिता का नाम” शब्दों के स्थान पर “प्रतिधारक के माता या पिता का नाम” शब्द रखे जायेंगे,

(4) प्ररूप क, के स्तंभ 2 में, “पिता/पति का नाम” शब्दों के स्थान पर “माता या पिता/पति या पत्नी का नाम” शब्द रखे जायेंगे।

[सं. V-11012/1/97-आयुध]

अजीत सिंह, अवर सचिव

पाद टिप्पणी :—मुख्य नियम सा.का.नि. 987 तारीख 13 जुलाई, 1962 के तहत अधिसूचित किये गये थे और बाद में निम्नलिखित सा.का.नि. के द्वारा उनका संशोधन किया गया था :—

1. सा.का.नि. 326 तारीख 30-1-1963
2. सा.का.नि. 633 तारीख 23-4-1965
3. सा.का.नि. 1006 तारीख 16-7-1965
4. का.आ. 1461 तारीख 22-4-1967
5. सा.का.नि. 266 तारीख 7-2-1969
6. सा.का.नि. 2475 तारीख 22-10-1969
7. सा.का.नि. 1689 तारीख 9-9-1970
8. सा.का.नि. 278 तारीख 17-2-1975
9. सा.का.नि. 733 तारीख 1-7-1975
10. सा.का.नि. 462(अ) तारीख 11-8-1976
11. सा.का.नि. 1242 तारीख 11-8-1976
12. सा.का.नि. 695(अ) तारीख 8-8-1987
13. सा.का.नि. 52(अ) तारीख 24-1-1989
14. सा.का.नि. 404(अ) तारीख 28-3-1990
15. सा.का.नि. 755(अ) तारीख 18-10-1994
16. सा.का.नि. 1 तारीख 19-12-1997

New Delhi, the 14th May, 1998

G.S.R. 99.—In exercise of the powers conferred by Section 44 of the Arms Act, 1959 (54 of 1959), the Central Government hereby makes the

following rules further to amend the Arms Rules, 1962, namely:—

1. (1) These Rules may be called the Arms (Amendment) Rules, 1998.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Arms Rules, 1962, in Schedule III,—

(i) In Form-III, in column 6, for the words “father’s name” the words “parent name” shall be substituted;

(ii) In Form-III-A, in column 4, for the words “Name and residence of father of licensee” the words “Name and residence of parent of licensee” shall be substituted;

(iii) In Form-VII, in column 5, for the words “Name of retainer’s father” the words “Name of retainer’s parent” shall be substituted;

(iv) In Form-A, in column 2, for the words “Father’s|Husband’s name” the words “Parent|Spouse name” shall be substituted.

[No. V-11012/1/97-Arms]

AJIT SINGH, Under Secy.

Foot Note.—The Principal Rules were notified vide GSR No. 987 dated 13th July, 1962 and were subsequently amended vide the following notifications :—

1. GSR 326 dated 30-1-1963
2. GSR 633 dated 23-4-1965
3. GSR 1006 dated 16-7-1965
4. SO 1461 dated 22-4-1967
5. GSR 266 dated 7-2-1969
6. GSR 2475 dated 22-10-1969
7. GSR 1689 dated 9-9-1970
8. GSR 278 dated 17-2-1975
9. GSR 733 dated 1-7-1975
10. GSR 462(E) dated 11-8-1976
11. GSR 1242 dated 11-8-1976
12. GSR 695(E) dated 8-8-1987
13. GSR 52(E) dated 24-1-1989
14. GSR 404(E) dated 28-3-1990
15. GSR 755(E) dated 18-10-1994
16. GSR 1 dated 19-12-1997

ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1998

सा०का०नि० 100:-सूजी और मैदा श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1998 का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और सूजी और मैदा श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1979 का अधिक्रमण करते हुए, सिवाय उन बातों के जिन्हें ऐसे अधिक्रमण में पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, बनाना चाहती है, उक्त धारा का अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिसकी उक्त अधिसूचना में युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराई जाती हैं, पेंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में सुझाव देने या आक्षेप करने का इच्छुक कोई व्यक्ति उन्हें केन्द्रीय सरकार द्वारा विचारण के लिए ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, प्रधान कार्यालय, एन. एच.-4, फरीदाबाद (हरियाणा) पिन-121001 को भेज सकता है।

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सूजी और मैदा श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1998 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ :

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो -

(क) "कृषि विपणन सलाहकार" से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है;

(ख) "प्राधिकृत पैकर" से ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय अभिप्रेत है जिसे इन नियमों के उपबंधों के अनुसार सूजी या मैदा या दोनों का श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने के लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र अनुदत्त किया गया है।

(ग) "प्राधिकार प्रमाणपत्र" से साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के अधीन जारी किया गया प्रमाण पत्र अभिप्रेत है;

(घ) "साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियमों" से कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 के अधीन बनाए गए साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम 1937 अभिप्रेत हैं।

(ङ) "श्रेणी अभियान चिन्ह" से यथा स्थिति इन नियमों के नियम 5 के उपनियम (i) में निर्दिष्ट एगमार्क लेबल या नियम 5 के उपनियम (ii) में निर्दिष्ट एगमार्क की प्रतिकृति अभिप्रेत है;

(च) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3. श्रेणी अभिधान :

सूजी और मैदा की क्वालिटी को उपदर्शित करने के लिए श्रेणी अभिधान क्रमण: अनुसूची II और III के स्तम्भ 1 में यथा विनिर्दिष्ट है।

4. क्वालिटी की परिभाषा :--

सूजी और मैदा के श्रेणी अभिधान द्वारा उपदर्शित क्वालिटी वह होगी जो क्रमण: अनुसूची II और III के स्तम्भ 2 से 7 में यथा विनिर्दिष्ट होंगे।

5. श्रेणी अभिधान चिन्ह :

श्रेणी अभिधान चिन्ह में निम्नलिखित होगा :--

(i) एक लेबल जिस पर उत्पाद का नाम, श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और उस पर अनुसूची 1 में दिए गए के सदृश एक डिजाइन होगा जिसमें "एगमार्क" शब्दों के साथ भारत का मानचित्र और उदय होते हुए सूर्य का चित्र होगा ;

(ii) "एगमार्क प्रतिकृति" जिसमें प्राधिकार प्रमाण पत्र का संख्यांक सम्मिलित करते हुए एक डिजाइन शब्द, "एगमार्क", उत्पाद का नाम, श्रेणी अभिधान होगा और वह अनुसूची 1-क में दिए गए के सदृश होगा ;

परन्तु "एगमार्क लेबल" के बदले में "एगमार्क प्रतिकृति" का उपयोग केवल ऐसे प्राधिकृत पैकरों के लिए अनुज्ञात होगा जिन्हें कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के अधीन विहित शर्तों के अधीन रहते हुए अनुज्ञा अनुदत्त की गई है।

6. पैक करने की रीति :--

(1) सूजी और मैदा, जूट, कपड़े, बी-टवाल/प्रोलीवीवन/कागज के ऐसे थैलों में जिनमें 100 माइक्रोन प्रोलीप्रोपिलीन/पोलीथिलीन या कृषि विपणन सलाहकार अथवा इस संबंध में उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा

यथा अनुमोदित किसी अन्य सामग्री को अस्तर लगा हो, से बने स्वच्छ, मजबूत और शुष्क आधानों में पैक किया जाएगा।

- (2) उपभोक्ता पैकेटों की दशा में पोलिथिलीन या पोलिप्रोपिलिन जो न्यूनतम 100 माइक्रोन और धात्विक पालिएस्टर पाउचों का क्रेता द्वारा यथा अपेक्षित और कृषि विपणन सलाहकार अथवा इस संबंध में उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित किसी अन्य पैकिंग सामग्री का उपयोग किया जाएगा,

परन्तु यह कि पैकिंग सामग्री क विनिर्माण, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के अधीन यथा अनुज्ञात खाद्य श्रेणी सामग्री से किया जाएगा।

- (3) आधान कीटग्रसन, फफूंदी सङ्घन, हानिकारक पदार्थों और किसी अवांछनीय या अप्रिय गंध से मुक्त होंगे।
- (4) एक ही श्रेणी अभिधान के और एक ही लॉट बैच से श्रेणीकृत सामग्री के उपभोक्ता पैकेटों की उपयुक्त संख्या एक बड़े आधान जैसे कि लकड़ी की पेटी, कार्ड बोर्ड के डिब्बे आदि में इस शर्त के अधीन पैक की जा सकेंगी कि प्रत्येक उपभोक्ता पैक पर समुचित श्रेणी अभिधान चिन्ह लगा हो और बड़े आधान पर लगाए गए बांधे जाने वाले लेबल के ऊपर गांठ पर उनका द्वारा उपदर्शित हो।
- (5) प्रत्येक आधान मजदूती में वद किया जाएगा और उपयुक्त रूप से मुहरबंद होगा।
- (6) एक पैकेट में पैक किए गए सूजी और मैदा का शुद्ध भार बाट और माप अधिनियम 1976 या पैक की गई वस्तु नियम, 1977 और समय-समय पर प्रकाशित उनके संशोधनों के अनुसार 100 ग्राम, 200 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम, 2 कि. ग्रा. और 5 कि. ग्रा. होगा और तत्पश्चात् 5 कि. ग्रा. के गुणकों में होगा।

7 चिन्हांकन की रीति :—

- (1) श्रेणी अभिधान चिन्ह, प्रत्येक आधान पर मजदूती से चिपकाया जाएगा या स्पष्ट रूप में और अमिट रूप से मुद्रित/स्टेंसिल किया जाएगा।
- (2) श्रेणी अभिधान चिन्ह के अतिरिक्त आधान पर निम्नलिखित विशिष्टियाँ स्पष्ट रूप से और अमिट रूप से चिन्हांकित की जाएगी :—

- (i) प्राधिकृत पैकर का नाम और पता,
- (ii) पैकिंग का स्थान,
- (iii) पैकिंग की तारीख*;

- (iv) लॉट/बैच संख्या,
- (v) शुद्धभार,
- (vi) कीमत;
- (vii) अवसान की तारीख।

*नमूने का विश्लेषण पूर्ण किए जाने की तारीख ही पैकिंग की तारीख होगी।

- (3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 11 अनुसार श्रेणीकृत आधानों पर अपना प्राइवेट व्यापार चिह्न या व्यापार ब्रांड लगा सकेगा,

परन्तु यह तब जबकि वह इन नियमों के अनुसार श्रेणीकृत आधानों पर लगाए गए श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा उपदर्शित क्वालिटी या श्रेणी में भिन्न उपदर्शित नहीं करती है।

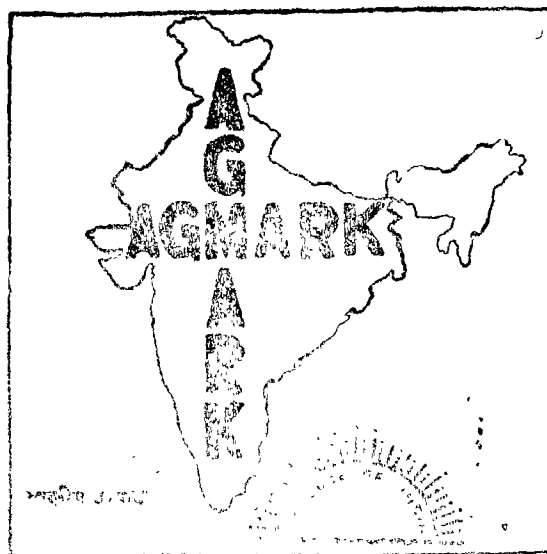
8 प्राधिकार प्रमाणपत्र अनुदत्त करने के लिए विशेष शर्तें :—साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 3 के उपनियम (8) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त इन नियमों के अधीन सूजी और मैदे का श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने के लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र अनुदत्त करने के लिए निम्नलिखित अन्य शर्तें होंगी, अर्थात् :—

- (1) प्राधिकृत पैकर सूजी और मैदे की क्वालिटी का परीक्षण करने के लिए या तो साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 9 के अनुसार कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अनुमोदित अहित रसायनक द्वारा नियंत्रित अपनी प्रयोगशाला स्थापित करेगा या वह इस प्रयोजन के लिए कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अनुमोदित कोई राज्य श्रेणीकरण प्रयोगशाला या प्राइवेट वाणिज्यिक प्रयोगशाला उसे प्राप्य होगी।
- (2) सूजी और मैदे के प्रसंस्करण और पैकिंग के लिए प्राधिकृत परिसर पूर्ण रूप से स्वास्थ्यकर और स्वच्छ होना में रखा जाएगा और इन संक्रियाओं में लगे कर्मिक अच्छे स्वास्थ्य वाले और किसी महामक रोग से मुक्त होंगे।
- (3) उत्पादित सूजी और मैदे के प्रत्येक लॉट से कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अधिकथित रीति में दिए गए विधि से सूजी और मैदे का नमूना लिया जाएगा तथा उसे समय-समय पर यथा निदेशित नियंत्रक प्रयोगशाला को भेजा जाएगा

अनुसूची—1

[नियम 5 (i) देखिए]

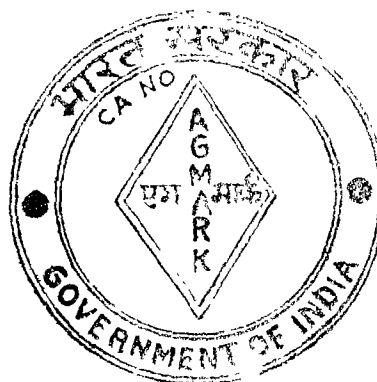
एगमार्क लेबल का डिजाइन



अनुसूची—1 (क)

[नियम 5 (ii) देखिए]

एगमार्क प्रतिकृति का डिजाइन



वस्तु का नाम.....

श्रेणी.....

अनुसूची—II

[नियम 3 और 4 देखिए]

सूजी (रवा) का श्रेणी अभिधान और उसकी क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा				
	विशेष लक्षण				
	नमी द्रव्यमान प्रतिशत (अधिकतम)	कुल भस्म द्रव्यमान प्रतिशत (शुष्क आधार पर) (अधिकतम)	अमल अविलेय भस्म द्रव्यमान प्रतिशत (शुष्क आधार पर) (अधिकतम)	90 प्रतिशत एल्कोहल के साथ एस 2 एस- ओ 4 के रूप में अभिव्यक्त अल्कोहली अम्लता (अधिकतम)	मूटेन द्रव्यमान प्रतिशत शुष्क आधार पर (न्यूनतम)
I	2	3	4	5	6
श्रेणी—I	13.00	0.05	0.05	0.08	8.0
श्रेणी—II	13.5	1.0	0.10	0.12	7.0
साधारण लक्षण					
7					

- (1) सूजी से अभिप्रेत अच्छी क्वालिटी की गेहूं के पेपण से और साफ की गई गेहूं को परिष्करण की विशेष डिग्री तक छानकर और उसे वांछित सीमा तक भूसी, अंकुर आदि से मुक्त करके तैयार किया गया उत्पाद है।
- (2) यह रंग करने वाले अतिरिक्त पदार्थ, मिलावट कृतक बाल और उत्सर्ग, क्रमी या फफूंदी ग्रसन, वाह्य पदार्थ फफूंदीदार किसी आपत्तिजनक गंध से मुक्त होगी तथा क्रोमी पीले रंग की होगी।
- (3) इसमें इस पदार्थ का लाक्षणिक सुस्वाद और गंध होगी और यह पकाने के लिए अच्छी क्वालिटी की होगी।
- (4) यह अच्छी विक्रय दशा में होगी और सभी प्रकार से मानवीय उपभोग के लिए उपयुक्त होगी।
- (5) यह खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 और नियम, 1955 में यथा विहित अस्लाटांकीन अंतर्वस्तु, धात्विक संदूषकों और कीटनाशीमार/नाशक जीवमार के अवशेषों से संबंधित निर्वधनों के अनुरूप होगी।

टिप्पण :—श्रेणी I और II के लिए, सारी सूजी 1.16 मि० मी० छिद्रों वाली छलनी से निकल जाएगी। यदि 0.73 मि. मी. छिद्रों वाली छलनी में 90% से अत्यून सूजी न निकले तो उसे बड़े कण चिह्नित किया जाएगा। यदि 0.73 मि० मी० छिद्रों वाली छलनी में 10% से अत्यून सूजी न निकले तो उसे छोटे कण चिह्नित किया जाएगा। किन्तु 0.24 मि. मी. छिद्रों वाली छलनी में 98% से अत्यून सामग्री नहीं छेनेगी।

सूची—III

[नियम 3 और 4 देखिए]

मैदा का श्रेणी अभिधान और उसकी क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा विशेष लक्षण				
	नमी द्रव्यमान प्रतिशत (अधिकतम)	कुल भस्म द्रव्यमान प्रतिशत (शुष्क आधार पर) (अधिकतम)	अम्ल अविलेय भस्म द्रव्यमान प्रतिशत (शुष्क आधार पर) (अधिकतम)	90 प्रतिशत एल्कोहल के साथ एच 2 एस ओ 4 के रूप में अभिव्यक्त अल्कोहाली अम्लता, द्रव्यमान प्रतिशत शुष्क आधार पर (अधिकतम)	ग्लूटेन प्रतिशत शुष्क आधार पर (न्यूनतम)
1	2	3	4	5	6
श्रेणी—I	12.0	0.5	0.03	0.10	11.0
श्रेणी—II	12.5	0.7	0.05	0.10	9.5
श्रेणी—III	13.5	1.0	0.10	0.12	8.0
साधारण लक्षण					

7

- (1) मैदे से अभिप्रेत है गेहूं के मजबूत और स्वच्छ दानों की पिसाई या पेपण से और परिणामी गेहूं अवचूर्ण को छानकर और उसके संसाधन से बनाया गया परिष्कृत उत्पाद।
- (2) इसका रंग गेहूँ से हल्का भूरा होगा और उसमें गेहूँ का लाक्षणिक स्वाद और गंध होगी।
- (3) यह मिलावट अपद्रव्य, वाह्य पदार्थ जिसमें कृतक बाल और उत्सर्ग सम्मिलित है, विकृति गंधन, किरकिराहट कृमि या फफूंदी असन, किण्वन, फफूंदीदार या किसी आपत्तिजनक स्वाद या गंध से मुक्त होगी।
- (4) मैदा, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 और नियम, 1955 में यथा विहित अफलाटाक्सीन अन्तर्वस्तु, घातक संदूषकों और कीटनाशीमार/नाशक जीवमार के अवशेषों से संबंधित निबंधनों के अनुरूप होगा।
- (5) उक्त सामग्री की जब सूक्ष्मदर्शी परीक्षा की जाए तो स्टार्च कणों में लाक्षणिक स्टार्च संरचना दर्शित होनी चाहिए।
- (6) यदि उत्पाद को बेकरी के प्रयोजनार्थ प्रयोग किया जाना हो तो लेबल पर उचित घोसणा करते हुए, निम्नलिखित आटा उपचार कारकों का उनके सामने वर्णित मात्राओं में प्रयोग किया जाएगा, अर्थात् :—
 - (i) बेनज्योल पैरोक्साइड (अधिकतम) 40 पीपीएम
 - (ii) पोटेशियम बेरोमैट (अधिकतम) 20 पीपीएम
 - (iii) एस्कार्विक एसिड (अधिकतम) 200 पीपीएम
- (7) यह अच्छी विक्रय दशा में होगा और सभी प्रकार से मानवीय उपयोग के लिए उपयुक्त होगा।

[फा. स. 18011/9/97—एम. II]

बी. एन. मिश्र, आर्थिक सलाहकार (कृषि विपणन)

MINISTRY OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 28th April, 1998

G.S.R. 100.—The following draft of the Suji and Maida Grading and Marking Rules, 1998 which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and in supersession of the Suji and Maida Grading and Marking Rules, 1979 except as respects things done or omitted to be done before such supersession is hereby published, as required by the said section, for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules shall be taken into consideration after forty five days from the date on which copies of Gazette of India containing the notification are made available to the public :

Any person desiring to make any suggestion or objection in respect of the said draft rules may forward the same for consideration by the Central Government within the period specified above to the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India Directorate of Marketing and Inspection, Head Office, N.H. IV Faridabad-121001

DRAFT RULES

1. Short title.—(1) These rules may be called the Suji and Maida Grading and Marking Rules, 1998.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India ;

(b) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation to grade and mark the Suji or Maida or both in accordance with the provision of these rules :

(c) "Certificate of authorisation" means certificate issued under the General Grading and Marking Rules, 1988 ;

(d) "General Grading and Marking Rules" means the General Grading and Marking Rules, 1988 made under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) ;

(e) "Grade designation mark" means the Agmark label referred to in Sub-rule (i) of Rule 5 or the Agmark replica referred to in sub-rule (ii) or Rule 5 of these rules as the case may be ;

(f) "Schedule" means a Schedule annexed to these rules.

3. Grade designations.—The Grade designations to indicate the quality of Suji and Maida shall be as specified in column 1 of the Schedules II and III respectively.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the grade designation for Suji and Maida shall be as specified in column 2 to 7 of the Schedule II and III respectively.

5. Grade designation mark.—The grade designation marks shall consist of,—

(i) a label specifying name of the produce, grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with word "AGMARK" and figure of the rising sun resembling the one as set out in Schedule-I.

(ii) "Agmark replica" consisting of a design incorporating the number of certificate

1250 GI/—98—2

of authorisation, the word "AGMARK" name of the produce, grade designation and resembling the one as set out in Schedule I A provided that the use of "AGMARK" replica in lieu of "AGMARK" labels shall be allowed only to such authorised packers who have been granted permission by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this regard, and subject to the conditions prescribed under the General Grading and Marking Rules, 1988.

6. Method of packing.—(1) Suji and Maida shall be packed in clean, sound and dry containers made of jute, cloth, B-twill, polywoven, paper bags using lining of 100 micron polypropylene, polyethylene or any other material as may be approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this regard.

(2) In the case of consumer packs polyethylene or polypropylene of minimum 100 micron and metallised polyester pouches or any other packing materials as may be required by the buyer and approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this regard shall be used, provided that the packing material is manufactured out of food grade materials as permitted under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

(3) The container shall be free from insect infestation, fungus contamination, deleterious substances and any undesirable or obnoxious smell.

(4) Suitable number of consumer packs containing graded material of the same grade designation and from the same lot/batch may be packed in master containers, such as, wooden cases and cardboard cartons, subject to the condition that each consumer pack shall carry appropriate grade designation mark and the detail thereof shall be indicated on the tie-on label affixed to the master container.

(5) Each container shall be securely closed and suitably sealed.

(6) The net weight of the Suji and Maida packed in a package shall be 100 gm. 200 gm. 500 gm. 1 kg, 2 kg, 5 kg, and thereafter in multiples of 5 kg as per packaged commodities Rules, 1977 or weights and measures Act, 1976 and their amendments published from time to time.

7. Method of Marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or clearly and indelibly printed/stencilled on each container.

(2) In addition to the grade designation mark the following particulars shall be clearly and indelibly marked on the container---

- (i) Name and address of the authorised packer;
- (ii) Place of packing;
- (iii) Date of packing;*
- (iv) Net weight;
- (v) Lot/Batch Number;
- (vi) Price (inclusive of all taxes);
- (vii) Date of expiry;

*Date of packing shall be the date of completion of analysis of samples.

- (3) An authorised packer may after obtaining prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or any officer authorised by him in this behalf, in accordance with rule 11 of the General Grading and Marking Rules, 1988, affix his private trade mark or trade brand label on graded containers, provided that the same does not indicate quality or grade other than that indicated by the grade designation mark affixed to the graded container in accordance with these rules.

8. Special conditions for grant of Certificate of Authorisation.—In addition of the conditions specified in Sub rule (8) of rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1988, the following shall be the additional conditions for grant of certificate of Authorisation for grading and marking of Suji and Maida under these rules, namely—

- (1) The authorised packer shall either set-up his own laboratory manned by qualified chemist approved by the Agricultural marketing Adviser or an officer authorised by him in this behalf in accordance with rule 9 of the General Grading and Marking Rules, 1988, for testing the quality of Suji and Maida or have access to the State Grading Laboratory or private commercial laboratory approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this behalf;

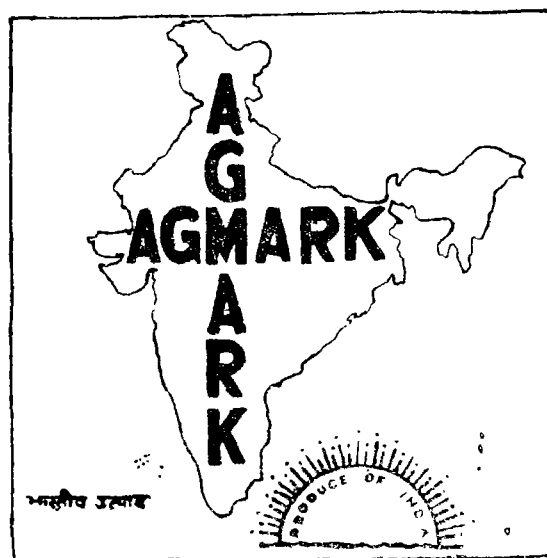
- (2) The authorised premises for processing and packing of Suji and Maida shall be maintained in perfect hygienic and Sanitary conditions and personnel engaged in these operations shall be in sound health and free from any contagious disease;

- (3) A sample of Suji or Maida drawn in a manner laid down by the Agricultural Marketing Adviser from each lot of Suji or Maida produced shall be forwarded to such control laboratory as may be directed from time to time.

SCHEDULE I

(See rule 5(i))

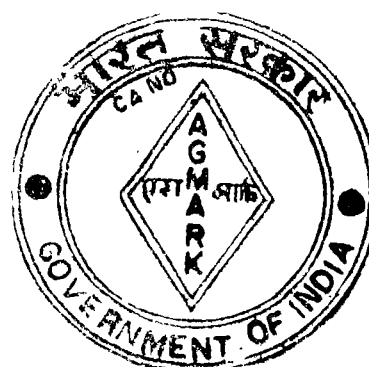
DESIGN ON THE AGMARK LABEL



SCHEDULE I-A

(See rule 5 (ii))

DESIGN OF AGMARK REPLICA



NAME OF COMMODITY-----

GRADE-----

SCHEDULE—II

[See Rules 3 and 4]

Grade designations and definition of quality of Suji (Rawa)

Grade designation	Definition of quality					General Characteristics
	Special characteristics					
	Moisture per cent by mass (Maximum)	Total ash per cent on dry mass basis (Maximum)	Acid insoluble ash percentage by mass on dry mass basis (Maximum)	Alcoholic acidity percentage with 90% alcohol expressed as H ₂ SO ₄ on dry mass basis (Maximum)	Gluten per cent by mass on dry mass basis (Minimum)	
I	2	3	4	5	6	7
Grade-I	13.0	0.5	0.05	0.08	8.0	1. Suji means the product prepared from wheat of good quality by grinding and bolting cleaned wheat to a certain degree of fineness and freeing it from bran, germ etc. to the desired extent. 2. It shall be free from added colouring matter, rodent hair and excreta, insect and fungal infestation, any foreign matter, musty smell and off odour and be creamy, yellow in colour. 3. It shall have characteristic pleasant taste and smell associated with the product and have good cooking quality. 4. It shall be in sound and merchantable condition and fit in all respects for human consumption. 5. It shall comply with the restrictions in regard to aflatoxin content, metallic contaminants or insecticides/pesticides residue as prescribed under the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 and Rules, 1955.
Grade-II	13.5	1.0	0.10	0.12	7.0	

Note :—All the Suji shall pass through sieve of aperture 1.16mm. for grade I and II. Suji shall be marked large particles when not less than 90% shall be retained on sieve of aperture 0.73mm.

It shall be marked small particles when not more than 10 per cent of the material shall be retained on aperture 0.73mm. sieve. However not less than 98% of the material shall be retained on sieve of aperture 0.24mm.

SCHEDULE—III

(See Rules 3 and 4)

Grade designations and definition of quality of Maida

Grade designation	Definition of quality					
	Special characteristics					General Characteristics
	Moisture per cent by mass (Maximum)	Total ash per cent on dry mass basis (Maximum)	Acid insoluble ash per cent by dry mass basis (Maximum)	Alcoholic acidity (as H_2SO_4) in 90% Alcohol, per cent by mass on dry mass basis (Maximum)	Gluten per cent by mass on dry mass basis (Minimum)	
1	2	3	4	5	6	7
Grade-I	12.0	0.5	0.03	0.10	11.0	(1) Maida (wheat flour) means the fine product made by milling or grinding sound and clean grains of wheat and bolting or dressing the resulting wheat meal.
Grade-II	12.5	0.7	0.05	0.10	9.5	
Grade-III	13.5	1.0	0.10	0.12	8.0	
						(2) It shall be whitish to light brown colour having characteristics taste and smell.
						(3) It shall be free from adulterants, impurities extraneous-matter including rodent hair and excreta, rancidity, grittiness, insect or fungal infestation fomented, musty or any objectionable taste or odour.
						(4) Maida shall comply with the restrictions in regards to aflatoxin content, metallic contaminants and insecticide/pesticide residues as prescribed under the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 and Rules, 1955.
						(5) When the material is subjected to microscopic examination of starch particles should exhibit characteristic starch structure.
						(6) If the product is to be used for bakery purpose, under proper label declaration, the following flour treatment agents in the quanti-

ties mentioned against each may be used. namely :—

- (i) Benzoyl peroxide (Maximum) 40ppm
 - (ii) Potassium permanganate (Maximum) 20ppm
 - (iii) Ascorbic Acid (Maximum) 200ppm
- (7) It shall be in sound merchantable condition and fit in all respects for human consumption.

[F. No. 18011/9/97-M-11]

V. N. MISRA, Economic Adviser (Agricultural Marketing)

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 18 मई, 1998

सा.का.नि. 101.—केन्द्रीय सरकार, रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) की धारा 198 और धारा 200 की उपधारा (2) के खंड (क) के साथ पठित धारा 60 की उपधारा (2) के खंड (छ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रेल (चालू लाईनें) सामान्य नियम, 1976 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय रेल (चालू लाईनें) सामान्य (संशोधन) नियम, 1998 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. (1) भारतीय रेल (चालू लाईनें) सामान्य नियम, 1976 में अध्याय XVI के नियम 3 में, उपनियम (2) और (3) से पहले निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

(2) यदि किसी कारण से रेलपथ के दोनों ओर समपार पर स्थित गेट को बन्द नहीं किया जा सकता हो तो वहां पहुंचने वाली गाड़ी को रोकने के लिये सामान्य नियम, 16.06 में अधिकृत अनुबन्धों के अनुसार कार्रवाई की जाये।

(1“1”) विद्यमान उप नियम (2) और (3) को क्रमशः (3) तथा (4) के रूप में पुनसंख्यांकित किया जायेगा।

3. (1“) भारतीय रेल (चालू लाईनें) सामान्य नियम, 1976 में अध्याय XVI में नियम 6 के उपनियम (क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :—

- (क) यदि संभव हो तो सड़क यातायात के लिये गेट को बंद करने के लिये कार्रवाई की जाये।
- (ख) गेट बंद करने के पश्चात् समपार में गुजरने वाली गाड़ी को हाथ से संकेत किया जाये।
- (ग) यदि गेट को बंद नहीं किया जा सकता हो तो बेतर अथवा समपार-झंडी ऐसी रीति में लगाई जाये कि गुजरने वाली गाड़ी को गेट पर पहुंचने से थोड़ा पहले ही रुकने के लिये सचेत किया जा सके और तत्पश्चात् हाथ से संकेत देकर गाड़ी को गुजारा जाये।”

(1“1”) विद्यमान उप नियम (ख) को (घ) के रूप में पुनसंख्यांकित किया जायेगा।

[सं 98/सेफ्टी(ए एण्ड आर/19/3]

शान्ति नारायण, सदस्य यातायात एवं पदेन सचिव

टिप्पणी :—मूल नियम सा.का.नि. 445(ई) तारीख 21-7-81 द्वारा अधिसूचित किये गये थे और उसके पश्चात् निम्नलिखित द्वारा संशोधित किये गये :—

- (1) सा.का.नि. 320 तारीख 16-4-1983
- (2) सा.का.नि. 352 तारीख 30-4-1983
- (3) सा.का.नि. 514(ई) तारीख 27-6-1983
- (4) सा.का.नि. 476(ई) तारीख 28-6-1984
- (5) सा.का.नि. 245 तारीख 23-5-1992
- (6) सा.का.नि. 83 तारीख 17-2-1996

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 18th May, 1998

G.S.R. 101.—In exercise of the powers conferred by clause (g) of sub-section (2) of section 60 read with section 198 and clause (a) of sub-section (2) of section 200 of the Railways Act, 1989 (24 of 1989), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Railways (Open Lines) General Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Railways (Open Lines) General (Amendment) Rules, 1998.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. (i) In the Indian Railways (Open Lines) General Rules, 1976, in Chapter XVI, in rule 3, before Sub-rule (2) and (3), the following shall be inserted, namely :—

“(2) If for any reasons the gates at level crossings cannot be so closed/fastened across the thoroughfares on both sides of the track, action to prevent the approaching trains, if any, from running into the gate may be taken in accordance with stipulations laid down under General Rules 16.06.”
- (ii) The existing Sub-rule (2) and (3) be renumbered as “(3) and (4)” respectively.
3. (i) In the Indian Railways (Open Lines) General Rules, 1976, in Chapter XVI, in rule 6 for sub-rule (a) the following shall be substituted, namely :—

“(a) take action to close the gates, if possible, against road traffic.

(b) After closing the gates, hand signal the train movements past the Level Crossing.

(c) If the gates cannot be so closed put the banner flag or level crossing flag in such manner as to warn the approaching train to stop short of the gate and thereafter hand signal the train.”
- (ii) The existing “Sub-rule (b)” shall be renumbered as ‘(d)’.

[No. 98/Safety(A&R)/19/3]

SHANTI NARAIN, Member Traffic and
Ex-Officio Secy.

NOTE :—The Principal rules were notified vide No. GSR 445(E) dated the 21st July, 1981 and were subsequently amended vide MO..

- (1) GSR 320 dated the 16th April, 1983.
- (2) GSR 352 dated the 30th April, 1983.
- (3) GSR 514(E) dated the 27th June, 1983.
- (4) GSR 476(E) dated the 28th June, 1984, and
- (5) GSR 245 dated the 23rd May, 1992.
- (6) GSR 83 dated the 17th February, 1996.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 12 मई, 1998

सा.का.नि. 102—भारतीय संग्रहालय अधिनियम, 1910 (1910 का अधिनियम X) की धारा 2 की उपधारा (1) के खंड (च) के अनुसरण में केन्द्र सरकार निम्नलिखित को भारतीय संग्रहालय, कलकत्ता के न्यासी बोर्ड के निये न्यामियों के रूप में दिनांक 20 अप्रैल, 1998 से तीन व की अवधि के वर्षों लिए एतद्वारा नामित करती है :—

- (1) प्रो. बी. बी. लाल
एफ-7, हाउज खास एन्क्लेव,
नई दिल्ली-3
 - (2) प्रो. जे. पी. जोशी,
134, वीनस अपार्टमेंट,
इंदिरा एन्क्लेव, रोहताक रोड,
नई दिल्ली।
 - (3) महानिदेशक,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
नई दिल्ली।
 - (4) पश्चिम बंगाल की सरकार के बाद में नामित और
साथ परामर्श करके चुना गया अधिसूचित किया
वाणिज्य और उद्योग का एक जाएगा।
प्रतिनिधि
- [स. एक. 2-27/87-सी.एच. 5/सी.एच. 1/एम. 1]
- ए.सी. उप्पल, अव्वर सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE
DEVELOPMENT

(Department of Culture)

New Delhi, the 12th May, 1998

G.S.R. 102.—In pursuance of Clause (f) of Sub-Section (1) of Section 2 of the Indian Museum Act, 1910 (Act X of 1910), the Central Government hereby nominate the following as Trustees on the Board of Trustees of the Indian Museum, Calcutta, for a period of 3 years w.e.f. 20th April, 1998 :—

- (1) Prof. B. B. Lal,
F-7, Hauz Khas Enclave
New Delhi-3.

(2) Prof. J. P. Joshi,
134, Venus Apartments,
Indira Enclave,
Rohtak Road,
New Delhi.

(3) Director General, Ex-Officio
Archaeological Survey of Capacity
India,
New Delhi.

(4) A representative of To be nomi-
Commerce & Industry nated & notified
chosen in consultation later
with the Government of
West Bengal.

[No. F-2-27/87-CH.5-CH.1/M.1]

A. C. UPPAL, Under Secy.

शहरी कार्य और रोजगार मन्त्रालय

(शहरी विकास विभाग)

(दिल्ली प्रभाग)

नई दिल्ली, 13 मई, 1998

सा.का.नि. 103 — केन्द्रीय सरकार, संबंधित खंड के उपखंड (2) की धारा (अ) के साथ पठित दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) के खंड 56 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते के दिल्ली विकास (सलाहकार परिषद् के गैर-सरकारी सदस्यों को भत्ते की स्वीकृति) नियमावली, 1959 में संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है :—

1. (1) इन नियमों को दिल्ली विकास (सलाहकार परिषद् के गैर, सरकारी सदस्यों को भत्ते की स्वीकृति) संशोधन नियमावली, 1998 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. दिल्ली विकास (सलाहकार परिषद् के गैर-सरकारी सदस्यों को भत्ते की स्वीकृति) नियमावली, 1959 में नियम

3 में, उपनियम (1) में धारा (1) में “15/- रुपए” अंकों और अक्षरों के स्थान पर “500/- रुपए” अंक और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[फा. नं० के- 11011/66/97-डी०डी० आई ए०]

वी० के० मिश्रा, डेस्क अधिकारी
टिप्पणी :—प्रिंसिपल मुख्य नियमावली 14 सितम्बर, 1959 के
जीएसआर सं० 1069 द्वारा प्रकाशन की गई थी।

MINISTRY OF URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT

(Department of Urban Development)

(Delhi Division)

New Delhi, the 13th May, 1998

G.S.R. 103.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 56 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), read with clause (r) of sub-section (2) of that section, the Central Government hereby makes the following rules to amend the Delhi Development (Grant of Allowance to Non-Official Members of the Advisory Council) Rules, 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Delhi Development (Grant of Allowance to Non-Official Members of the Advisory Council) Amendment Rules, 1998.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Delhi Development (Grant of Allowance to Non-Official Members of the Advisory Council) Rules, 1959, in rule 3, in sub-rule (1) in clause (i) for the letters and figures “Rs. 15/-”, the letters and figures “Rs. 500/-” shall be substituted.

[F. No. K-11011/66/97-DDIA]

V. K. MISRA, Desk Officer.

Note :—The Principal Rules were published vide No. G.S.R. 1069, dated the 19th September, 1959.

